बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-32
14/01/2020

जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में 19 जनवरी 2020 को बनने वाली मानव श्रृंखला के निर्माण की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

पटना, 14 जनवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभाकक्ष में जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में, शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में तथा बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ 19 जनवरी 2020 को पूर्वाह्न 11.30 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक बनने वाली मानव श्रृंखला के निर्माण की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के प्रमण्डलीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक भी जुड़े हुये थे।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आर0के0 महाजन ने बनने वाली मानव श्रृंखला की तैयारियों के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि कुल 16,351 किलोमीटर की अनुमानित लंबाई की मानव श्रृंखला बनेगी, जिसमें 5,052 किलोमीटर मुख्य मार्ग की लंबाई होगी और 11,299 किलोमीटर उपमार्ग की लंबाई होगी। मानव श्रृंखला में अनुमानित प्रतिभागियों की संख्या लगभग दो हजार व्यक्ति प्रति किलोमीटर की दर से 3 करोड़ 27 लाख की संख्या होगी तथा प्रत्येक वार्ड में सौ लोगों की एक करोड़ लोगों की संख्या होगी यानि कुल 4 करोड़ 27 लाख लोगों के मानव श्रृंखला में शामिल होने की संभावना है। मानव श्रृंखला में शामिल होने वाले विभिन्न वर्गों में सरकारी तथा निजी विद्यालयों के बच्चे, शिक्षक, सरकारी कर्मी, शिक्षा सेवक, रसोईया, जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता तथा आम नागरिक होंगे। रविवार के दिन होने के बावजूद स्कूल और सभी सरकारी कार्यालय खुले रहेंगे। वर्ग 1 से वर्ग 4 के बच्चे स्कूल के अहाते में ही मानव श्रृंखला बनायेंगे। मार्ग के बायीं ओर खड़ा होने के लिये ही स्थान को चिहिन्त किया जा रहा है। प्रति किलोमीटर पर पेयजल की व्यवस्था होगी। मार्ग के बीच–बीच में एम्बुलेंस और सुरक्षा की उचित व्यवस्था होगी। बैठक में जानकारी दी गयी कि मानव श्रृंखला में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी हो, इसके लिये माइक्रो प्लानिंग की गयी है। मानव श्रृंखला के मुख्य मार्ग और उपमार्ग की जानकारी का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। मानव श्रृंखला के वातावरण निर्माण के लिये सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा अपील की जा रही है। कला जत्था के द्वारा प्रतिदिन तीन पंचायतों में कार्यक्रम किये जा रहे हैं। नारा लेखन, दीवार लेखन के साथ–साथ नवाचारी गतिविधियॉ भी करायी जा रही है। रेडियो जिंगल, टीवी प्रचार, मुख्यमंत्री का व्हाइस मैसेज का मोबाइल, रेडियो, सिनेमा हॉल तथा टेलीविजन में प्रसारण कराया जा रहा है। सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग द्वारा प्रचार रथ के माध्यम से लोगों को मानव श्रृंखला के बारे में जानकारी दी जा रही है। मानव श्रृंखला की बेहतर तैयारी के लिये विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

पटना में गॉधी मैदान से मानव श्रृंखला के प्रस्थान बिन्दू की तैयारी की गयी है। गॉधी मैदान से चारों दिशाओं में मानव श्रृंखला का प्रस्थान होगा, जो एक दूसरे से जुड़ते हुये राज्य के सभी जिले आपस में श्रृंखलाबद्ध होंगे। सभी जिले के जिलाधिकारियों ने बनने वाली मानव

श्रृंखला के मार्ग, वातावरण निर्माण से संबंधित किये जा रहे कार्य एवं मानव श्रृंखला में शामिल होने वाले लोगों के लिये उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारियों ने एक जिले से दूसरे जिले की सम्बद्धता सुनिश्चित होने की भी जानकारी दी। सीमावर्ती जिले के जिलाधिकारी सम्बद्ध राज्य के जिलाधिकारी से यातायात के सुलभ संचालन के सम्पर्क में भी हैं। दिन के 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक यातायात के व्यवस्थित स्वरूप की भी जानकारी दी गयी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 जनवरी 2020 को बनने वाली मानव श्रृंखला लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को प्रदर्शित करेगा। जलवायु में हो रहे परिवर्तन के प्रति लोग अपनी सजगता दिखाने के लिये एकजुट होकर मानव श्रृंखला बना रहे हैं। गरीब राज्य और इतनी घनी आबादी होने के बावजूद यहॉ मानव श्रृंखला बनाना बड़ी बात है। पर्यावरण के प्रति यहॉ के लोगों की यह कोशिश है, जो बहुत बड़ी श्रृंखला के रूप में दिखेगा। यह मानव श्रृंखला पर्यावरण के लिहाज से बहुत बड़ा रिकॉर्ड होगा। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी और पदाधिकारी एक–एक चीज का ठीक से आंकलन कर लें। राष्ट्रीय मार्ग पर हैवी ट्रैफिक रहता है। वहॉ पर मानव श्रृंखला के भागीदारों की सुरक्षा का ख्याल रखें। जब तक लोग घर तक नहीं पहुॅच जायें, यातायात के बेहतर संचालन के लिये निगरानी करें। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता में रखा जाय। ठंड के मौसम में लोगों के लिये और सतर्क रहने की जरूरत है। लोगों की सुविधा के लिये एम्बुलेंस, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि बैठक में जानकारी दी गयी है कि मोटरसाइकिल एवं ड्रोन के माध्यम से वीडियोग्राफी कराते हुये शामिल होने वाले लोगों एवं मार्गों का रिकॉर्ड एकत्रित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से तय करके हवाई जहाज के माध्यम से ऊपर से मानव श्रृंखला का एक मैप बन जाय, जो एक दूसरे से सम्बद्ध रहे तो अच्छी बात होगी। उन्होंने कहा कि बनने वाली मानव श्रृंखला के लिये सम्बद्ध जिला के सभी रूटों को आपस में सम्बद्धता एवं विभिन्न जिलों के आपसी जुड़ाव का एक नक्शा भी बना लें। उन्होंने कहा कि लोग जिस स्थान से सम्बद्ध हैं, वहीं उन्हें मानव श्रृंखला में शामिल करें।

बैठक की शुरूआत में अपर मुख्य सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गीत, नाटक एवं नारे से संबंधित जल–जीवन–हरियाली तभी होगी खुशहाली नामक एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान जल–जीवन–हरियाली यात्रा से संबंधित एक रिकॉर्डेड गीत की प्रस्तुति भी की गयी।

बैठक में शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय, विकास आयुक्त श्री अरूण कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, अपर मुख्य सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण श्री अतुल प्रसाद, अपर मुख्य सचिव श्रम संसाधन श्री सुधीर कुमार, अपर मुख्य सचिव राजस्व एवं भूमि सुधार श्री विवेक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, अपर सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री चन्द्रशेखर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

******